वर्ष 2017 में मई से दिसंबर तक 17 समूहों में 1304 आगुन्तकों ने किया शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

वर्ष 2017 में मई से दिसंबर तक 17 समूह में 1304 भ्रमण-कर्ताओं ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर वानिकी शोध संबंधी जानकारियाँ प्राप्त की। इन भ्रमण-कर्ताओं में नर्सरी कक्षा से लगाकर महाविद्यालयों के विद्यार्थी, हरित कौशल विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी , रेंज फोरेस्टर आफिसर्स प्रशिक्षणार्थी एवं वैज्ञानिक शामिल थे। विवरण निम्न प्रकार है :-

1. सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा 9वीं एवं 10वीं के 683 विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण (दिनांक 2 & 3 मई तथा 8 व 9 मई, 2017)

(i.) सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा नवम के विद्यार्थियों के 214 सदस्यीय दल का आफरी भ्रमण (दिनांक 2 मई, 2017)

दिनांक 2 मई , 2017 को सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा 9वीं के 214 विद्यार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया | भ्रमण के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने संस्थान की उच्च तकनीक एवं प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण कर विभिन्न नर्सरी तकनीक एवं पौध तैयारी के पहलुओं की जानकारी ली | कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने विद्यार्थियों को नर्सरी का भ्रमण करवाते हुए नर्सरी संबंधी विभिन्न जानकारी करवायी | श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व के बारे में भी बताया | विद्यार्थियों ने नर्सरी परिसर में औषधीय, जर्म प्लाज्म बैंक तथा कंपोस्टिंग का भी अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने इसके बाद संस्थान के विस्तार एव निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया , जहां उन्होंने वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग की वैज्ञानिक "डी" श्रीमती भावना शर्मा , अनुसंधान सहायक – प्रथम, श्री रतना राम लोहरा ने विद्यार्थियों को विस्तार एवं निर्वचन केंद्र में प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री के बारे में जानकारी दी | भ्रमण कार्यक़म में अनुसंधान सहायक द्वितीय श्री महिपाल विशनोई एवं श्री तेजा राम का सहयोग रहा |

(ii.) सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के 131 सदस्यीय दल का आफरी भ्रमण (दिनांक 3 मई 2017)

दिनांक 3 मई, 2017 को सेंट्रल एकेडेमी, बनाड केंट जोधपुर के कक्षा नवीं के 131 विद्यार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों के बारे में जानकारी हासिल की | भ्रमण के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला में पौध उत्पादन के विभिन्न पहलुओं का बारीकी से एवं रुचिपूर्ण तरीके से अवलोकन किया | कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, श्री उमा राम चौधरी , भा.व.से. ने उन्हें पौधशाला तकनीक, जर्म प्लाज्म बैंक में औषधीय पौधों इत्यादि की जानकारी दी |तत्पश्चात विद्यार्थियों के दल ने विस्तार एव निर्व चन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं की जानकारी ली | प्रभाग की वै ज्ञानिक श्रीमती भावना शर्मा, अनुसंधान सहायक – प्रथम श्री रतना राम लोहरा , श्रीमती मीता सिंह तोमर , तकनीकी सहायक ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र पर विभिन्न जानकारी विद्यार्थियों को करवाई | श्री उमा राम चौधरी ने विद्यार्थियों को वृक्षो के

प्रत्यक्ष एव परोक्ष लाभों की जानकारी दी तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की | भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजाराम का सहयोग रहा |

(iii.) सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के 209 सदस्यीय दल का आफरी भ्रमण (दिनांक 8 मई, 2017)

दिनांक 8 मई, 2017 को सेंट्रल एकेडेमी, बनाड केंट जोधपुर के कक्षा 10वीं के 209 विद्यार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों का अध्ययन किया | भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष , श्री उमा राम चौधरी , भा॰व॰से॰ ने विद्यार्थियों को संबोधित कर वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण में इनकी महत्ता बतायी तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव का जिक्र किया | श्री चौधरी ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी विद्यार्थियों को करायी | विद्यार्थियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण कर शोध गतिविधियों का अवलोकन किया | विद्यार्थियों को संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भी भ्रमण करवाया गया | जहां कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग की वैज्ञानिक श्रीमती भावना शर्मा, अनुसंधान सहायक – प्रथम श्री रतना राम लोहरा, तकनीकी सहायक श्रीमती मीता सिंह तोमर ने वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान सूचनाओं तथा सामग्री सहित वन एवं पर्यावरण से संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को कराई | भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजाराम का सहयोग रहा |

(iv.) सेंट्रल एकेडेमी, जोधपुर केंट के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के 129 सदस्यीय दल का आफरी भ्रमण (दिनांक 9 मई, 2017)

दिनांक 9 मई , 2017 को सेंट्रल एकेडेमी , जोधपुर केंट के कक्षा 10 वीं के 129 विद्यार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर अनुसंधान गतिविधियों का अध्ययन किया | भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने विद्यार्थियों को अपने संबोधन में वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वृक्ष, वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की | श्री चौधरी ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी भी विद्यार्थियों को कराई | विद्यार्थियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण कर शोध गतिविधियों का अवलोकन किया | विद्यार्थियों के दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भी भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया | कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के अनुसंधान सहायक – प्रथम श्री रतना राम लोहरा , तकनीकी सहायक श्रीमती मीता सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को विस्तार एवं निर्वचन केंद्र पर अनुसंधान गतिविधियों सहित वन एवं पर्यावरण से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को करवाई | भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

2. महिला वन रक्षक ट्रेनिंग सेंटर सी॰आर॰पी॰एफ॰ गुप्र सेंटर-1 अजमेर की महिला वन रक्षक प्रशिक्षणार्थियों का आफरी भ्रमण (दिनांक 8.5.2017)

महिला वन रक्षक ट्रेनिंग सेंटर सी॰आर॰पी॰एफ॰ गुप्र सेंटर -1 अजमेर, के 133 महिला वन रक्षक प्रशिक्षणार्थियों के दल ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का दल प्रभारी श्री नरेश चतुर्वेदी, उप वन संरक्षक एव प्र शिक्षण केंद्र प्रभारी के नेतृत्व में दिनांक 8.5.2017 को भ्रमण किया | भ्रमण दल के साथ तीन क्षेत्रीय वन अधिकारी एवं 14 वनपाल भी थे। भ्रमणकारी दल को आफरी नर्सरी परिसर में अपने संभाषण में श्री उमा राम चौधरी , भा॰व॰से॰, प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एव विस्तार प्रभाग ने वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वृक्षों की महत्ता बतायी तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया | श्री चौधरी ने प्र शिक्षणार्थियों के दल को नर्सरी भ्रमण कराकर नर्सरी से संबंधित जानकारी, कंपोस्ट, औषधीय जर्मप्लाज्म बैंक में औषधीय पौधों से संबंधित जानकारी भी करायी |

3. हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत "जैवविविधता संरक्षक प्रशिक्षणार्थियों का आफरी नर्सरी भ्रमण (दिनांक 8/8/2017 एवं 14/08/17)

दिनांक 8/8/2017 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण , जोधपुर और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण , जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आधारभूत पाठ्यक्रम के 9 "जैवविविधता संरक्षक-कर्ताओं (Biodiversity Conservationist) प्रशिक्षणार्थियों के दल ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

आफरी निदेशक, श्री एन.के.वासु, भा.व.से. ने पौधारोपण हेतु जेनेटिकली सुपीरियर बीजों का चयन करने , बीजों के चयन, वाएबिलिटी, बीज परीक्षण (Seed Testing) इत्यादि की चर्चा करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि हमें वृक्षारोपण करते समय उस जगह के पारिस्थितिकी तंत्र का भी ध्यान रखना चाहिए।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी , भा.व.से. ने प्रशिक्षणार्थियों को पौधशाला, उसके लिए स्थल चयन, मदरबेड, बेड, थैलियों, उनमें भरे जाने वाले मिश्रण, बीज बुवाई, प्रिकिंग इत्यादि नर्सरी प्रक्रियाओं सहित , मिस्ट चेम्बर , हाइटेक नर्सरी के पहलुओं , इत्यादि की जानकारी दी। श्री चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी का भ्रमण करवाते हुए , नर्सरी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं सहित कम्पोस्ट , औषधीय जर्मप्लाज्म बैंक में औषधीय पौधों की जानकारी तथा परिसर में स्थित विभिन्न वृक्ष प्रजातियों जैसे कुटज , हरड़, बहेड़ा, खिरनी, कंकेड़ा, ढाक, सेमल, अरीठा, अर्जुन, बांस, सहजना इत्यादि वृक्ष प्रजातियों की जानकारी करवाई। उप वन संरक्षक श्री रमेश मालपानी ने रूट ट्रेनर के बारे में बताया। श्री सादुलराम देवड़ा ने नर्सरी संबन्धित विभिन्न जानकारियाँ दी। प्रशिक्षणार्थियों ने थैलियों एवं रूट ट्रेनर में मिश्रण भरने , प्रिकिंग, कटिंग आदि की व्यावहारिक जानकारी भी ली।

इन प्रशिक्षणार्थियों ने दिनांक 14.8.17 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भी भ्रमण किया। इस दिन भ्रमण के प्रारम्भ में श्री उमा राम चौधरी , भा.व.से. एवं प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने संस्थान की शोध गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी पावर-पाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। इन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध कार्यों से संबन्धित जानकारी प्राप्त की। इसी दिन इन्होंने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं अन्य सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र पर विभिन्न जानकारी इन भ्रमण-कर्ताओं को दी।

SEED GRADER

4. तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट अकेडमी , हैदराबाद के वन रेंज फॉरेस्ट आफिसर्स (Range Forest Officers) प्रशिक्षणार्थियों का दिनांक 17/8/17 को आफरी का भ्रमण

दिनांक 17/8/17 को तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट अकेडमी , हैदराबाद के 65 रेंज फॉरेस्ट आफिसर्स (Range Forest Officers) प्रशिक्षणार्थियों ने श्री बी.वेंकटेश्वर राव , डिप्टी डायरेक्टर के नेतृत्व में दिनांक 17/8/17 को आफरी का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली। प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं अन्य सामग्री का अवलोकन किया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र में प्रदर्शित शोध कार्यों संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं अन्य प्रदर्शित सामग्री की जानकारी भ्रमणकारी दल को करवायी।

5. केंद्रीय रुक्ष अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित "कम वर्षा वाले क्षेत्रों में कृषि आय को दुगना करने के रणनीति विकास हेतु समर स्कूल" (Summer School on Developing Strategies For Doubling Farm Income in low rainfall areas) के 25 वैज्ञानिकों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का किया भ्रमण दिनांक (22/9/17)

केंद्रीय रुक्ष क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI), जोधपुर में आयोजित "कम वर्षा वाले क्षेत्रों में कृषि आय को दुगना करने के रणनीति विकास हेतु समर स्कूल" (Summer School On Developing Stetagies For Doubling Farm Income In Low Rainfall Areas) के 25 वैज्ञानिकों ने दिनांक 22/9/17 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर विभिन्न शोध कार्यों की जानकारी ली। वैज्ञानिकों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। वैज्ञानिकों ने संस्थान की उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला प्रबंधन संबंधी गतिविधियों का भी अवलोकन किया।

6. ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन , जोधपुर के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान भ्रमण

ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन , जोधपुर के बी.एस.सी.प्रथम वर्ष (सी.बी.ज़ेड संकाय) के 75 विद्यार्थियों ने दिनांक 13.10.17 को व्याख्याता डॉ. नंदिनी जोधावत एवं डॉ. ज्योति के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी (भा.व.से.) ने पावर-पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान की शोष गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

विद्यार्थियों के समूह ने श्री चौधरी के नेतृत्व में संस्थान के विभिन्न प्रभागों की प्रयोगशालाओं वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग की प्रयोगशाला, वन पारिस्थितिकी प्रभाग की आई.सी.पी.एम.एस प्रयोगशाला, वन सुरक्षा प्रभाग की केंद्रीय प्रयोगशाला एवं अकाष्ठ वनोपज प्रभाग की प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां विभिन्न शोध-कर्ताओं ने विभिन्न वानिकी शोध कार्यों संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को दी।

इसके बाद समूह ने विस्तार प्रभाग के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भी भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध कार्यों संबंधी विभिन्न सूचनाओं एवं अन्य सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री के बारे में जानकारी विद्यार्थियों को करवाई।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
Industrial Visit
Aishwarya College

7. फॉरेस्ट कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी , मेटुपलयम के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान भ्रमण

दिनांक 30.10.2017 को फॉरेस्ट कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट , तमिलनाडू एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी मेटुपलयम के बी.एस.सी. फोरेस्टरी (IV सेमेस्टर) के 37 विद्यार्थियों ने असोसिएट प्रोफेसर (एग्री.एंटोमोलोजी) , डॉ. एम. सुगंथी, डॉ. आर.रवि , असिस्टेंट प्रोफेसर (फोरेस्ट्री) एवं डॉ. आर. सरवनन , जूनियर एग्रीकल्चरल ऑफिसर के नेतृत्व में अध्ययन भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से., ने दल को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्थान के कार्यक्षेत्र , उपलब्धियों एवं अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विवरण दिया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित जानकारी, जिनमें संस्थान के विभिन्न प्रभागों की शोध गतिविधियां, लवण प्रभावित भूमि के पुनर्वासन, अपभ्रांषित पहाड़ियों का पुनर्वासन, कृषि वानिकी मॉडल्स आदि विषयों की शोध संबन्धित सूचनाओं एवं अन्य सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने यहाँ प्रदर्शित विभिन्न जानकारी दल को दी।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

8. यूरो किड्स स्कूल , लाल सागर, जोधपुर के विद्यार्थियों का आफरी भ्रमण (दिनांक 30.10.17 एवं 31.10.17)

दिनांक 30.10.17 एवं 31/10/17 को यूरोकिड्स लाल सागर , जोधपुर के नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों एवं कोर्डिनेटर शिखा कपूर एवं अन्य शिक्षकों (श्रीमती नीलम धूत, श्रीमती श्रुति जोधा, श्रीमती अरुणा कंवर, कुमारी आरती सांखला, सपोर्टिंग स्टाफ, श्रीमती भावना गहलोत एवं श्रीमती बसंती गहलोत एवं नॉन टीचिंग स्टाफ श्री गोविंद सियाग) के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण एवं पेड़ पौधों से अवगत कराना था।

दिनांक 30.10.17 को 36 विद्यार्थियों के दल ने सबसे पहले संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया जहां तकनीकी अधिकारी श्रीमती कुसुम परिहार एवं तकनीशियन मीता सिंह तोमर ने बच्चों को वहाँ प्रदर्शित विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बीजों, वन उत्पादों एवं मृदाओं से अवगत कराया।

इसके बाद दल ने संस्थान की उच्च-तकनीक प्रयोगशाला का भ्रमण किया। जहां नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने उन्हे विभिन्न औषधीय पौधों से अवगत कराया एवं उनके उपयोग के बारे में भी बताया।

इसी प्रकार दिनांक 31.10.17 को यूरोकिड्स लाल सागर , जोधपुर के नर्सरी कक्षा के 23 विद्यार्थियों ने कोर्डिनेटर शिखा कच्छवाहा एवं अन्य शिक्षकों के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) की उच्च-तकनीक पौधशाला का भ्रमण किया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने बच्चों को नर्सरी में पौधे उगाने के बारे में, विभिन्न प्रकार के पेड़ों के बारे में और औषधीय पौधों के उपयोगों के बारे में बताया।

ROCK MUSIC

9. कर्नाटक राज्य वन अकेडमी , (Karnataka State Forest Academy), धारवाड़ के प्रशिक्षु रेंज फॉरेस्ट अधिकारियों का आफरी भ्रमण

दिनांक 17.11.17 को कर्नाटक राज्य वन अकादमी के 49 प्रशिक्षु रेंज फॉरेस्ट आफिसर्स (बैच II) ने जाइंट डाइरेक्टर एवं डी.सी.एफ. श्रीमती दीप जे. कोंट्रेक्टर भा.व.से. के नेतृत्व तथा श्री. सी.एम. अमनवर , सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक, श्री लक्ष्मण कटीमनी (आर.एफ.ओ.) के साथ अपने पश्चिम भारत भ्रमण के अंतर्गत शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में प्रभागाध्यक्ष कृषि वानिकी एवं विस्तार श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षुओं को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों से संबन्धित जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद दल ने श्री चौधरी के नेतृत्व में संस्थान के विभिन्न प्रभागों की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। दल ने वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन विभाग की दो प्रयोगशालाओं - आण्विक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला एवं उत्तक-संवर्धन प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां शोधार्थियों ने इन्हें इनसे जुड़ी शोध संबंधी जानकारी से अवगत कराया। फिर दल ने वन पारिस्थितिकी प्रभाग की आई.सी.पी.एम.एस. प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहां वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री एन.बाला ने इन्हें आई.सी.पी.एम.एस. तकनीक द्वारा मिट्टी एवं अन्य सैंपल्स में 100 से भी अधिक तत्वों की एक साथ परीक्षण के बारे में जानकारी दी। इसी प्रभाग की रिमोट सेन्सिंग प्रयोगशाला में तकनीकी अधिकारी श्री गंगा राम चौधरी ने प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा दूर-संवेदन तकनीकों द्वारा वनों के नक्शों को बनाने की परियोजना के बारे में जानकारी दी । अकाष्ठ वनोपज प्रभाग के भ्रमण के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या ने दल को प्रभाग की शोध संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। दल ने वन सुरक्षा प्रभाग की मुख्य प्रयोगशाला का भ्रमण कर वन वृक्ष प्रजातियों में लगने वाली बीमारियों के बारे में भी जानकारी ली।

इसके बाद दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित अनुसंधान गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया।

10. महेश पब्लिक स्कूल, जोधपुर के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान भ्रमण (दिनांक - 1/12/17)

महेश पब्लिक स्कूल, जोधपुर के कक्षा 11 एवं 12 जीव विज्ञान के 13 विद्यार्थियों ने सुश्री योगिता , पी.जी.टी. (बायोलॉजी) के नेतृत्व में दिनांक 1/12/17 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी ली। भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री

उमाराम चौधरी भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी गई, जिसमें कृषि वानिकी मॉडल्स, टिब्बा स्थिरीकरण, चारागाह विकास, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वसन, इत्यादि विषय सम्मलित थे। श्री चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों की महत्ता तथा इनके प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष लाभों तथा पोलिथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा अपने संभाषण में की। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने संस्थान की वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग , वन पारिस्थितिकी प्रभाग , वन संरक्षण प्रभाग , अकाष्ठ वनोपज़ प्रभाग, वन संवर्धन प्रभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया जहां विभिन्न शोधकर्ताओं ने इन्हें शोध गतिविधियों की जानकारी दी।

इसके पश्चात इन विद्यार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया तथा वहाँ प्रदर्शित शोध गतिविधियों संबंधी सूचनाओं एवं सामाग्री का अवलोकन किया। यहाँ श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से.ने वहाँ प्रदर्शित परीभ्रंषित पहाड़ी पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन मॉडल्स इत्यादि संबंधी सूचनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई। विद्यार्थियों ने टिश्यू कल्चर से तैयार गुग्गल के वृक्षारोपण का भी अवलोकन किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने संस्थान की उच्च तकनीक/ प्रायोगि क पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला संबंधी गतिविधियों एवं मेडिशनल जर्मप्लाज्म बेंक का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने नर्सरी की विभिन्न प्रक्रियाओं, मिस्ट चेम्बर , कंपोस्टिंग, औषधीय पौधों की जानकारी दी। नर्सरी इंचार्ज श्री सादुलराम देवड़ा ने भी दल से चर्चा की। भ्रमण कार्यक्रम में श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

REHABILITATION OF DEGRADED AREA OF ARAVALI THROUGH
DEGRADED HILL (2005)
PREPARATION OF SITE
WATER HARVESTING STRUC
AFRI DARPAN

औषधीय पौधों की खेती

AFRI DARPAN
ARID FOREST RESEARCH

11. डायमंड अकेडमी स्कूल सारण नगर, जोधपुर के कक्षा 11 व 12 वीं की छात्राओं का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण (दिनांक - 06/12/2017)

दिनांक-06/12/2017 को डायमंड अकेडमी स्कूल सारण नगर, जोधपुर के कक्षा 11 व 12 वीं जीव विज्ञान की 80 छात्राओं ने श्रीमती पूजा शर्मा व सहकर्मीयों के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण कर शैक्षणिक व संस्थान में चल रही विभिन्न शोध कार्यों के संबंध मे जानकारी प्राप्त की ।

भ्रमण के प्रारंभ मे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चैधरी भा.व.से. ने छात्राओं के दल का संस्थान में स्वागत करते हुए पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान के कार्य क्षेत्र व मेन्डेट, कृषि वानिकी, सिल्वीपेस्टोरल मोड्ल्स,टिब्बा स्थिरीकरण, जल एंव मृदा संरक्षण कार्य, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन आदि विषयों संबंधित शोध कार्यो की जानकारी दी। श्री चैधरी ने अपने संभाषण में पर्यावरण के विभिन्न पहलूओं की चर्चा करते हुए वनों की महत्ता, वृक्षों के परोक्ष एंव अपरोक्ष लाभों की जानकारी दी तथा पोलीथीन उपयोग के दुष्प्रभाव की चर्चा की गई ।

छात्राओं के दल को संस्थान की एफ़.जी.टी.बी प्रभाग में आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला के बारे में नितिश दवे जे.आर.एफ., व उत्तक संवर्धन के लिए मीडिया तैयार करने की प्रयोगशाला के बारें में सुश्री शोभा मेहरा जे.आर.एफ., वन पारिस्थितिकी प्रभाग के आई.सी.पी.एम.एस. लेब के बारें में श्री एन. बाला वैज्ञानिक एफ.,वन संरक्षण प्रभाग के सेंटर लेब के बारें में श्री सुनील चौधरी व वन संवर्धन प्रभाग की बीज प्रयोग शाला के संबंध में श्री एस. एल. मीना द्वारा जानकारी दी गई।

इसके पश्चात छात्राओं ने विस्तार एंव निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एंव अन्य सामग्रियों का अवलोकन किया। यहां श्री चौधरी ने अवक्रमित पहाडीयों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जलप्लावन भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी से संबंधी जानकारी, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन आदि सूचनाओं एंव प्रदर्शित अन्य सामग्री की जानकारी दी । उक्त छात्राओं के दल भ्रमण कार्यक्रम में श्री धाना राम, तकनीकी अधिकारी तथा तेजा राम का सहयोग रहा ।

12. आई.जी. महाविधालय बिलाड़ा की छात्राओं का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण (दिनांक 06/12/2017)

आई.जी. महाविद्यालय, बिलाड़ा की बी.एस.सी प्रथम वर्ष एंव द्वितीय वर्ष बायोलोजी की 28 छात्राओं ने श्री माधोसिंह - सहव्यवस्थापक के नेतृत्व में , श्री चेतनराम , व्याख्याता रसायन विज्ञान , श्रीमती प्रियंका सीरवी, व्याख्याता जीव विज्ञान एवं श्री राकेश सीरवी , व्याख्याता वनस्पति विज्ञान के साथ दिनांक 06/12/2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में शैक्षणिक अध्ययन का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में दल का आफरी में स्वागत करते हुए कृषि वानिकी एंव विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चैधरी भा.व.से. ने पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी जिसमें कृषि वानिकी मोड्ल्स, सिल्वीपेस्टोरल मोड्ल्स, टिब्बा स्थिरीकरण, जल एवं मृदा संरक्षण,औषधीय पौधे, गुगल, कार्बन

सिक्वेस्ट्रेशन, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, जैविक खाद आदि विषयों से संबंधित जानकारी भी दी गई । श्री चौधरी ने अपने संभाषण में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की भी चर्चा की ।

इसके पश्चात छात्राओं ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया जहां भ्रमण के दौरान शोधार्थियो ने दल को, संस्थान के विभिन्न प्रयोगशालाओं की जानकारी दी।

छात्राओं के दल को संस्थान के एफ़.जी.टी.बी प्रभाग में आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला के बारे में आतिफ इकबाल, जे.आर.एफ., व उत्तक संवर्धन तकनीक,ओटोक्लेव, लेमीनार एयर फ्लो के संबंध में सुश्री कोंपल अरोड़ा जे.आर.एफ ने, वन पारिस्थितिकी प्रभाग के आई.सी.पी.एम.एस. लेब के बारें में सुश्री पारुल जे.आर.एफ.ने, वन संरक्षण प्रभाग में वृक्षो में होने वाले रोगों के बारे में श्री कुलदीप शर्मा व अकाष्ठ वनोपज प्रभाग में श्री महेन्द्र वेगना ने विभिन्न अकाष्ठ वनोपज की जानकारी दी।
इसके पश्चात विधार्थियों के इस दल ने विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित विभिन्न शोध गतिविधियों संबंधी सूचनाओं एवं अन्य वनोत्पाद संबंधी जानकारी का अवलोकन किया । यहां पर श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जलप्लावन भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन आदि विषयों की शोध संबंधित सूचनाओं एंव प्रदर्शित अन्य सामग्री की जानकारी दी गई ।

यहां पर श्री चौधरी ने विधार्थियों को वृक्षों से होने वाले परोक्ष एंव अपरोक्ष लाभों की जानकारी दी तथा पोलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की । दल भ्रमण कार्यक्रम में श्री धाना राम, तकनीकी अधिकारी तथा तेजा राम का सहयोग रहा ।

13. मदर टेरेसा नोबल्स एकेड्मी उ. मा. वि. बाड़मेर के कक्षा 11 व 12 वीं के विद्यार्थियों द्वारा शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण (दिनांक-28/12/2017)

दिनांक 28/12/2017 को मदर टेरेसा नोबल्स एकेड्मी उ. मा. वि. बाड़मेर के कक्षा 11 व 12 वीं कृषि विज्ञान के 48 विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान व्याख्याता श्री चेतन ठाकुर के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण कर संस्थान में चल रही विभिन्न शोध कार्यों के संबंध मे जानकारी प्राप्त की ।

भ्रमण के प्रारंभ मे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के डॉ. बिलास सिंह (ए.सी.टी.ओ) ने विद्यार्थियों के दल का संस्थान में स्वागत करते हुए पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान के कार्य क्षेत्र व मेन्डेट, सिल्वीपेस्टोरल मोड्ल्स,टिब्बा स्थिरीकरण, जल एंव मृदा संरक्षण कार्य, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन, कृषि वानिकी आदि विषयों संबंधित शोध कार्यो की जानकारी दी। डॉ. बिलास सिंह ने अपने संभाषण में पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं एवं कृषि वानिकी विषय के बारें में विस्तार से चर्चा की ।

इसके पश्चात विधार्थियों के इस दल ने विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित विभिन्न शोध गतिविधियों संबंधी सूचनाओं एवं अन्य वनोत्पाद संबंधी जानकारी का अवलोकन किया गया । यहां पर डॉ. बिलास सिंह ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जलप्लावन भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी, नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन आदि विषयों से संबंधित जानकारी उपलब्ध करवायी तथा वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी अन्य सूचनाओं एवं अन्य सामग्री की जानकारी दी । भ्रमण कार्यक्रम में श्री धाना राम, तकनीकी अधिकारी तथा तेजा राम का सहयोग रहा ।